एक नए शोध से इस बात की पुष्टि हुई है कि एक दिन में 10,000 कदम चलना स्वास्थ्य के इच्छित नतीजे पाने के लिए आदर्श लक्ष्य है, लेकिन विशेषज्ञों ने अपने शोध में यह भी पाया कि, सिर्फ इतना ही ज़रुरी नहीं है कि आप कितना दूर चले, बल्कि फर्क इस बात से पड़ता है कि कितना तेज चले। शोधकर्ताओं ने एक्टिविटी ट्रैकर प्रयुक्त कर रहे 78,00 वयस्कों को मॉनिटर किया। वरिष्ठ शोध लेखक, युनिवर्सिटी ऑफ सिडनी में प्रोफेसर इमैनुअल स्टैमाटाकीस ने कहा कि, कदमों की गणना आसानी से समझ में आती है और सक्रियता के स्तर को नापने के लिए बड़े पैमाने पर इसका इस्तेमाल होता है और फिटनैस ट्रैकर्स तथा एप्स की वजह से इसकी लोकप्रियता बढ़ रही है लेकिन लोग कदमों की रफ्तार के बारे में ज्यादा नहीं सोचते हैं।'' उन्होंने आगे कहा कि ''इन अध्ययनों का उद्देश्य पैदल चलने पर आधारित फिज़िकल एक्टिविटी के बारे में औपचारिक गाइडलाइन्स देना और प्रभावशाली जनस्वास्थ्य कार्यक्रम विकसित करना है।'' विशेषज्ञों ने पाया कि, प्रतिदिन दस हजार कदम चलने का सम्बंध डिमैन्शिया, हृदय रोग, कैंसर व असमय मृत्यु आदि का खतरा कम होने से है। शोध में पाया गया कि, जो प्रतिभागी अधिक तेज गति से चले उनमें ज्यादा फायदे दिखाई पड़े। सहशोध लेखक, युनिवर्सिटी ऑफ सिडनी के डॉ. मैथ्यू अहमदी ने कहा कि, ''स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए लोगों को ना केवल 10,000 कदम चलने का लक्ष्य बनाना चाहिए बल्कि तेज गति से चलने का नियम भी बनाना चाहिए।'' एक अन्य सहलेखक, युनिवर्सिटी ऑफ सदर्न डेनमार्क के बोर्हा डैल पोहो क्रूज़ ने कहा, हमारे शोध ने बताया कि कम सक्रिय लोग अगर प्रतिदिन 3800 कदम भी रोज चलें तो डिमैन्शिया का खतरा 25 प्रतिशत तक कम कर सकते हैं।'' शोधकर्ताओं के अनुसार प्रत्येक 2000 कदम से असमय मृत्यु का खतरा 8 से 11 प्रतिशत कम हो जाता है। शोधकर्ताओं ने कहा कि लम्बे समय तक ट्रैकर के इस्तेमाल के साथ और अधिक शोध करने से रोज पैदल चलने के और फायदों पर प्रकाश डाला जा सकता है।

103 करोड़ रू. के अवॉर्ड के एवज में कोर्ट ने रोडवेज की हजारों करोड़ रू. की सम्पत्ति अटैच की

साथ ही वाणिज्यिक कोर्ट ने 103 करोड़ रूपये के रिकवरी मामले में रोडवेज सी.एम.डी. से 20 अक्टूबर को जवाब मांगा है

- **कोर्ट ने रोडवेज अध्यक्ष का ऑफिस फर्नीचर और सिंधी कैम्प बस अड्डे को बेचने और हस्तांतरण पर पाबंदी लगा दी।**
- **राजस्थान परिवहन निगम मंत्रालयिक एवं अधीनस्थ कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सर्वेश्वर शर्मा ने हैरानी जताते हुए कहा, ताज्जुब की बात यह है कि, परिवहन भवन राज्य सरकार की संपत्ति है, इस प्रकरण में सरकार तो पार्टी थी ही नहीं, फिर भी रोडवेज मुख्यालय और सिंधी कैम्प बस स्टैंड की जमीन के साथ-साथ परिवहन भवन को अटैच कर लिया गया।**

जयपुर, 19 अक्टूबर (का.सं.)। वाणिज्यिक मामलों की विशेष अदालत ने रोडवेज से एक अरब तीन करोड रुपए से अधिक की रिकवरी के मामले में रोडवेज अध्यक्ष को बीस अक्टूबर को पक्ष रखने को कहा है। वहीं, अदालत ने रोडवेज अध्यक्ष को पाबंद किया है कि, वे आगामी आदेश तक इस मामले में शामिल संपत्तियों का बेचान, दान या अन्य किसी के पक्ष में हस्तांतरण ना करें। अदालत ने यह आदेश मैसर्स आशापुरा ट्रेड एवं ट्रांसपोर्ट प्रा.लि. के प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए दिए।

कोर्ट ने रोडवेज अध्यक्ष के ऑफिस व कुर्सी सहित जिन अन्य संपत्तियों को बेचने और हस्तांतरित करने पर पाबंदी लगाई है, उनमें रोडवेज का सी स्कीम स्थित भवन, सिंधी कैंप बस स्टैंड की जमीन व ऑफिस, रोडवेज का लालकोठी स्थित भवन और रोडवेज का परिवहन मार्ग स्थित प्रबंध निदेशक का ऑफिस व कुर्सी शामिल हैं।

कंपनी की ओर से अदालत में प्रार्थना पत्र पेश कर कहा गया था कि, उसके व रोडवेज के बीच हुए विवाद में आर्बिट्रेटर ने प्रार्थी के पक्ष में डिक्री पारित की थी। डिक्री आदेशानुसार उसे रोडवेज से करीब 103 करोड़ रुपए की रिकवरी करनी है। इसलिए डिक्री आदेश की पालना करवा कर रोडवेज से डिक्री राशि की रिकवरी करवाई जाए। जिस पर कोर्ट ने रोडवेज के अध्यक्ष को नोटिस जारी कर तलब किया है।

वहीं दूसरी ओर राजस्थान परिवहन निगम मंत्रालयिक एवं अधीनस्थ कर्मचारी संघ के प्रदेशाध्यक्ष सर्वेश्वर कुमार शर्मा ने रोडवेज सीएमडी संदीप वर्मा को पत्र लिखकर वाणिज्यिक कोर्ट के आदेश पर आपत्ति जताई है।

सर्वेश्वर शर्मा ने कहा, ''आश्चर्यजनक है कि 103 करोड़ के अवॉर्ड के बदले में कोर्ट ने राजस्थान रोडवेज की हजारों करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच कर ली। ऐसा करने से पहले रोडवेज निगम को कोई नोटिस तक नहीं दिया गया। जबकि रोडवेज निगम प्रशासन ने इसी कोर्ट में अपील दायर कर रखी है। अदालत ने मात्र 103 करोड़ रुपये के प्रकरण में सी-स्कीम स्थित रोडवेज मुख्यालय, सिंधी कैंप बस स्टैंड की जमीन तथा सहकार मार्ग स्थित परिवहन भवन को अटैच कर दिया, जो कि सरासर नाइंसाफी है। इससे भी बड़ी ताज्जुब की बात यह है कि परिवहन भवन राज्य सरकार की संपत्ति है, इस प्रकरण में सरकार तो पार्टी थी ही नहीं, फिर परिवहन भवन को क्यों अटैच किया गया।'' सर्वेश्वर शर्मा ने अपने पत्र में आगे लिखा कि, पिछले दो-तीन माह से कुछ लोग रोडवेज की छवि खराब करने के लिए षड्यंत्र रच रहे हैं, जिससे कर्मचारियों को समय पर वेतन और पेंशन नहीं मिल सके। ऐसे रोडवेज विरोधी लोगों की सीबीआई से जांच होनी चाहिए।

इस मामले को जानने वाले व्यक्ति ने कहा कि, इस मामले में हैरानी की बात है कि राज्य सरकार के द्वारा नियुक्त एडीशनल एडवोकेट जनरल (ए.ए.जी.) ने ही इस थर्ड पार्टी के लिये केस लड़ा और राज्य सरकार की ही संपत्ति की कुर्की कराने के संबंध में अदालत के समक्ष पैरवी की।

हिमाचल में भाजपा ने 11 विधायकों के टिकट काटे

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (वार्ता)। भाजपा ने हिमाचल प्रदेश के विधान सभा के चुनाव के लिए बुधवार को 62 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की और मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर को सिराज सीट से टिकट दिया है। भाजपा ने ग्यारह विधायकों के टिकट काट दिये है।

- **भाजपा ने 62 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की, बहुत से नये व युवा चेहरों को टिकट दिया।**

पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति की कल रात हुई बैठक में उम्मीदवारों के नामों पर मुहर लगायी गयी। बैठक की अध्यक्षता भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने की।

इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह तथा समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

पहली सूची के 62 उम्मीदवारों में पांच महिलाएं हैं।

जमीन के दस्तावेज की एवज में पटवारी ने ली 25.21 लाख की घूस

जोधपुर ए.सी.बी. ने अल सुबह पटवारी के घर पर रेड की

- **घर में 3.44 लाख नकद के अलावा पत्नी के नाम पर भूखण्ड और अन्य दस्तावेजों सहित, पांच लाख के सोने के जेवरात भी मिले।**

जोधपुर, 19 अक्टूबर (कास)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो जोधपुर की टीम ने बुधवार की सुबह भ्रष्टाचार की बड़ी कार्रवाई करते हुए एक पटवारी को 25.21 लाख की रिश्वत के आरोप में गिरफ्तार किया है। पटवारी के मकान से तलाशी में भी 3 लाख 44 हजार 500 रूपए की नगदी मिली है। शाम तक एसीबी की कार्रवाई जारी थी। दस्तावेजों भी खंगाला जा रहा है। खबर है कि, पहले पटवारी की तरफ से जमीन की मांग की गई थी। जमीन नहीं दिए जाने पर रूपए लिए गए।

ए.सी.सी. के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्ग सिंह ने बताया कि, मदेरणा कॉलोनी के रहने वाले परिवादी मनोज ग्वाला ने एसीबी कार्यालय में उपस्थित होकर रिपोर्ट दी कि उनकी 2 बीघा 5 बिस्वा जमीन भदवासिया, पूंजला क्षेत्र में है।

इस जमीन का नक्शा और अन्य दस्तावेज लेने के लिए वह मंगरा पूंजला पटवार हलके में कार्यरत पटवारी बीरबलराम से मुलाकात की थी। परिवादी ने बताया कि, जब यह जमीन ली गई तब इसका म्यूटेशन भरने के नाम पर पटवारी ने 50 हजार रुपए लिए थे। इसके बाद पटवारी ने परिवादी से 2 बीघा जमीन के बेचान के बदले प्लॉट मांगा था।

परिवादी ने बताया कि, पटवारी ने मंगरा पूंजला में 30 गुणा 60 का प्लॉट मांगा था। जब उसने प्लॉट देने से मना कर दिया तो उसके बजाय 25 लाख 80 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी। इसके बाद परिवादी ए.सी.बी. पहुंचा और एसीबी में शिकायत दी।

25 लाख के डमी नोट देकर भेजा

ब्यूरो के एएसपी डॉ. राजपुरोहित ने बताया कि, आज सुबह एसीबी ने 21 हजार रुपए और 25 लाख रुपए के डमी नोट देकर परिवादी को मंगरा पूंजला भेजा। यहां जैसे ही पटवारी ने रिश्वत के रुपए लिए उसे रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया गया।

दस्तावेज के लिए मांगे थे 25.80 लाख

एएसपी राजपुरोहित के अनुसार दस्तावेजों के लिए 25 लाख 80 हजार रुपए पटवारी ने मांगे थे। इसके बाद 25 लाख 21 हजार में सौदा तय हुआ। इसके बाद बुधवार सुबह माता का थान क्षेत्र में रामसागर चौराहे के समीप रिश्वत लेते पटवारी को रंगे हाथों एसीबी ने गिरफ्तार कर लिया। पटवारी ओसियां के पास भाखरी गांव का रहने वाला है। यह भी पता लगा कि परिवादी अपनी किसी जमीन को बेचने वाला है और बड़ा फायदा होने वाला है। तब पटवारी ने उससे रिश्वत में पहले प्लॉट फिर रूपए फाइनल किए।

पत्नी के नाम पर भूखण्ड और दस्तावेज मिले

ब्यूरो एएसपी डॉ. दुर्गसिंह राजपुरोहित ने बताया कि, आरोपी के घर की भी तलाशी ली गई। उसकी पत्नी मांगी के नाम भूखंड, बीरबल के नाम पर दो बीघा कृषि फार्म भूमि एवं विभिन्न व्यक्तियों के नाम की बेचाननामा, वसीयतनामा, इकरारानामा आदि 17 संदिग्ध दस्तावेज की फोटो कॉपी प्रतियां एवं सोने चांदी के जेवरात मिले हैं। सोने का अधिकृत रूप से मूल्यांकन 5 लाख 47 हजार 347 रुपये और चांदी का मूल्यांकन 12 हजार 825 रूपए आ रहा है।

झोपड़ी में आग लगने से दो बच्चियां जिंदा जलीं

पुष्कर के गांव चावंडिया में हुए इस हादसे से दो बच्चों ने भागकर अपनी जान बचाई

- **मरने वाली पूजा (3 वर्ष) तथा दीपा (एक वर्ष) सगी बहने थीं।**

पुष्कर, 19 अक्टूबर (निसं)। पुष्कर के गांव चावंडिया में झोपड़ी में आग लगने से दो मासूम छोटी बच्चियां आग में जिंदा जल गईं तथा दो बच्चों ने भागकर किसी तरह से अपनी जान बचाई। पुष्कर थाना अधिकारी रवीश कुमार ने बताया कि, आग में झुलसने से दो बच्चियों की मौके पर ही मौत हो गयी।

ग्राम बासेली सरपंच और तिलोरा सरपंच मौके पर पहुंचकर पुष्कर थाना और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। मौके पर फायर ब्रिगेड की गाड़ी व एएसआई छीतर लाल पुलिस टीम ने सहित घटनास्थल पर पहुंच कर आग को बुझाया। बासेली सरपंच ओम प्रकाश व तिलोरा सरपंच समुंदर सिंह ने पीड़ित बच्चियों के पिता को पांच-पांच हजार रु. की आर्थिक सहायता दी।

वही एएसआई छीतर लाल ने बताया कि, गांव चावंडिया में झोपड़ी में आग लगने की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे। जहां जानकारी में पता चला कि, घर में चूल्हा जल रहा था, जिसकी वजह से झोपड़ी में आग लग गई। मौके पर पीड़ित पिता ने बताया कि पूजा उम्र करीबन 3 साल व दीपा उम्र करीबन 1 साल की झुलसने से मौके पर मौत हो गई। शव को पुलिस की गाड़ी में पुष्कर के राजकीय अस्पताल लाया गया। दोनों के शव को मोर्चरी में रखवा दिया है। पुलिस ने बताया कि, जिस समय झोपड़ी में आग लगी तब माता-पिता दोनों काम पर गए हुए थे।

कामाख्या ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ठीक से रखरखाव नहीं हो रहा है यह मेरी निजी राय है। हायजीन से कोई समझौता नहीं किया जा सकता है।''

वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव धवन, जो मंदिर के पक्षकार थे, ने कहा कि यह केस ऐसा है जिसमें कुछ लोगों ने पत्र लिखा है कि ''हायजीन'' (स्वच्छता) का ख्याल नहीं रखा जा रहा है। उन्होंने कोर्ट को बताया कि मंदिर की देखरेख के लिए आई.आई.टी. जैसी ''एक्सपर्ट'' समितियां हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई जनवरी 2023 तक के लिए स्थगित कर दी ताकि सभी पक्ष एक उपयुक्त हल निकाल सके।

खड़गे को बधाई...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हिस्सा बताया था। इस रिपोर्ट के फलस्वरूप, गहलोत को कांग्रेस अध्यक्ष पद की उम्मीदवारी से दूर कर दिया गया था।

अशोक गहलोत डॉ. मनमोहन सिंह तथा अन्य नेताओं से मिलने भी गये, जिनमें अम्बिका सोनी तथा मुकूल वासनिक भी शामिल थे। ये दोनों नेता अशोक गहलोत के पक्के समर्थक एवं सहयोगी हैं। यह सर्वविदित है कि अम्बिका सोनी की डॉ. मनमोहन सिंह से काफी नजदीकी है और अगर मनमोहन सिंह, सोनिया गांधी से गहलोत के पक्ष में एक शब्द भी कह देते हैं तो क्या सोनिया गांधी उसके लिए मना कर सकती हैं?

इसके बाद, ये तीनों उसी कार में बैठकर खड़गे के निवास पर उनसे मिलकर, कांग्रेस अध्यक्ष बनने पर उन्हें बधाई देने गये थे। यह भी समझा जाता है कि अशोक गहलोत प्रियंका गांधी से मिलने उनके सुजान सिंह पार्क-स्थित निवास पर गये थे, जहाँ उस समय ए.आई.सी.सी. कोषाध्यक्ष पवन बंसल भी मौजूद थे। क्या यह भेंट गुजरात चुनाव के लिये फन्डिंग सम्बन्धित थी, या फिर इससे भी बड़ी कोई बात थी, जो सामान्य नजरों की परिधि में नहीं आ पाती?

अशोक गहलोत चार दिन के लिये गुजरात जाना भी चाहते थे। इस सम्बन्ध में उन्होंने रघु शर्मा से भी बात की थी। इसके बाद, रघु शर्मा ने के. सी. वेणु गोपाल तथा उन्होंने भी आगे राहुल गांधी से इस बारे में पूछा। राहूल गांधी का वापसी संदेश मिला कि वे 19 अक्टूबर तक जा सकते हैं, अर्थात उसी दिन, जिस दिन खड़गे कांग्रेस अध्यक्ष निर्वाचित होने वाले हैं। इस प्रकार, गहलोत दो दिन के लिये गुजरात चले गये।

'नीतीश कुमार ने भाजपा से वापस जुड़ने का रास्ता खुला छोड़ रखा है?'

पटना, 19 अक्टूबर। जन सुराज यात्रा के तहत बिहार के गांव-गांव घूम रहे चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने सनसनीखेज दावा किया है कि सीएम नीतीश कुमार बीजेपी के संपर्क में हैं और समय की जरूरत हुई तो वो एक बार फिर से बीजेपी के साथ गठबंधन कर सकते हैं। प्रशांत किशोर ने कहा कि जेडीयू सांसद और राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश के जरिए नीतीश कुमार ने बीजेपी से संवाद का यह रास्ता खोला गया है। प्रशांत किशोर ने कहा, जो लोग यह सोच रहे हैं कि नीतीश कुमार भाजपा के खिलाफ राष्ट्रीय गठबंधन बनाने के लिए पूरी कोशिश कर रहे हैं, वे यह जानकर चकित रहे जाएंगे कि उन्होंने भाजपा के साथ रास्ता खुला रखा है। वह अपनी पार्टी के सांसद और राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश जी के जरिए भाजपा के संपर्क में हैं।

फड़नविस के साथ डिनर करेंगे शरद पवार

डिनर प्लान की इन चर्चाओं ने महाराष्ट्र की राजनीति का पारा गर्मा दिया है, जिसमें मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी शामिल होंगे

- **उप मुख्यमंत्री फड़नविस के एक करीबी ने कहा, महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन (एम.सी.ए) प्रतिष्ठित एसोसिएशन है और फड़नविस और पवार की रात्रि भोज की योजना एम.सी.ए. के चुनाव से जुड़ी है। दरअसल क्रिकेट एसोसिएशन का बहुत जल्द चुनाव होने वाला है।**

मुंबई, 19 अक्टूबर। महाराष्ट्र में अंधेरी पूर्व सीट पर उपचुनाव और बृह्नमुंबई महानगरपालिका चुनाव के चलते सियासी गतिविधियां तेज हैं। अब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी सुप्रीमो शरद पवार के डिनर प्लान ने चर्चाएं बढ़ा दी हैं। चर्चा है कि, शरद पवार राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ बुधवार को भोजन कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे हैं।

खास बात है कि मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के चुनाव नजदीक हैं। हालांकि, इस रात्रि भोज को लेकर दोनों ही पक्ष राजनीति से दूरी की बात कर रहे हैं। साथ ही उनका कहना है कि अलग-अलग राजनीति दलों के कई नेता क्रिकेट का जश्न मनाने के लिए साथ आ रहे हैं। खास बात है कि मुंबई में बीएमसी चुनाव भी होने हैं। इससे पहले अंधेरी पूर्व की सीट पर उपचुनाव होंगे।

मीडिया रिपोर्ट में भाजपा सूत्रों के हवाले से बताया गया, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस और राकंपा अध्यक्ष शरद पवार अन्य लोगों के साथ बुधवार को वानखेड़े स्टेडियम के गरवारे क्लब में डिनर करेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार, फडणवीस के एक करीबी ने कहा, एमसीए को प्रतिष्ठित एसोसिएशन है और फडणवीस और पवार की रात्रि भोज की योजना एमसीए से जुड़ी है। यह पूरी तरह खेल की बात है। ऐसे मामलों में राजनीति न देखें।

सीएम शिंदे की अगुवाई वाले शिवसेना गुट के विधायक भरत गोगावाले और राज्य सरकार के मंत्री उदय सामंत के नेतृत्व वाले पैनल को उनके पैतृक गांवों में हुए ग्राम पंचायत चुनावों में हार का सामना करना पड़ा है। इसके अलावा भाजपा ने स्कूली शिक्षा मंत्री और शिंदे खेमे के सदस्य दीपक केसरकर के गृह जिले सिंधुदुर्ग में 3 ग्राम पंचायत सीट पर जीत हासिल की है।

मोदी ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हिन्दी मुहावरे का इस्तेमाल करते हुए कहा, ''बातें तो बहुत करते हैं, पर काम कुछ नहीं: खोखला चना बाजे घणा। उन्होंने कहा कि एक तानाशाह की सनक पर भारत की बलि नहीं दी जा सकती इन ताकतों को हराने के लिए हमें एक जुट होना होगा।'' खड़गे ने शशि थरूर को भी बधाई दी और उन्हें ''माय पार्टनर'' कह कर संबोधित किया और कहा कि वे शशि थरूर के साथ पार्टी को आगे बढ़ाने के बारे में चर्चा करेंगे।

हाई कोर्ट को यह तय...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तय की थी, तब आयोग ने अपने आदेश में कहा कि राज्य की सभी डिस्कॉम इस दर पर ''संभवत:'' बिजली खरीद सकती हैं। उन्होंने कहा कि आयोग को अपने आदेश में केवल यह कहना चाहिये था कि सभी डिस्कॉम 3.14 रुपये प्रति यूनिट की दर पर बिजली खरीदेंगी। उन्होंने कहा कि 2019 के आदेश से ऐसा प्रतीत होता है कि आयोग बहुत कमजोर संस्था हैं जो अपना कर्तव्य पूरा नहीं निभा पा रहा है, जबकि केवल आयोग के पास ही यह अधिकार है कि वह बिजली की दरें तय कर सकता है।

बहस के दौरान यह तथ्य भी सामने आया कि राज्य की सभी डिस्कॉमों ने केवल दो दिन में ही आर.ई.सी. के तहत बने सभी प्लांट्स के संचालक को चिट्ठी लिखकर कह दिया था कि वह उनके परचेज़ पावर एग्रीमेंट (पी.पी.ए.) यानी बिजली खरीदने का अनुबंध नहीं करेगी क्योंकि उन्हें अक्षय ऊर्जा के ओपन मार्केट में बने प्लांटों से सस्ते में बिजली मिल रही है।

आज सुनवाई के दौरान अधिवक्ता पी.एन.भंडारी ने कहा कि उनके मुवक्किल डिस्कॉम को 3.14 रुपये प्रति यूनिट पर बिजली बेचने को तैयार हैं और वह इस बहस में नहीं पड़ना चाहते कि ये दरें कानूनी रुप से उचित हैं कि नहीं। इस दौरान याचिकाकर्ताओं में से एक एच.पी.सी.एल. की ओर से वकील सुकृति कासलीवाल ने भी कहा कि उनके मुवक्किल भी डिस्कॉम द्वारा तय दर मानने को तैयार हैं परंतु डिस्कॉम्स को पी.पी.ए. हस्ताक्षरित करना ही होगा। अदालत को महाधिवक्ता ने इस तथ्य से अवगत कराया कि 108 याचिकाकर्ताओं में से 51 आयोग द्वारा तय की गई दर पर पी.पी.ए करने को तैयार हैं।

अधिवक्ता पी.एन.भंडारी ने अदालत को कहा कि इस पूरे मामले के दौरान दो प्लांट बंद हो चुके हैं और एक स्क्रेप बेच चुका है। उन्होंने कहा कि कई याचिकाकर्ताओं की स्थिति दयनीय है, ''परंतु (सरकार) बंदूक की नोंक पर किसी से कोई भी काम करा सकती है। अदालत का कार्य है कि वह इस मामले को व्यवसायिक दृष्टि से नहीं बल्कि कानूनी दृष्टि से देखते हुए फैसला सुनाए और न्याय करे।''

थरूर को हराकर खड़गे ने कांग्रेस का नेतृत्व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शाम तक आ गई थीं तथा पार्टी कार्यालय के ''स्ट्रॉन्ग रूम'' में रख दी गई थीं।

सोमवार को मतदान समाप्त होने के बाद, मिस्त्री ने एक प्रैस कॉन्फ्रेंस में बताया था कि गुप्त मतदान-पद्धति से पार्टी अध्यक्ष चुनने वाले मतदाता-मंडल में शामिल प्रदेश कांग्रेस कमेटियों (पी.सी.सी.) के कुल 9,915 प्रतिनिधियों में से 9,500 से अधिक लोगों ने ए.आई.सी.सी. मुख्यालय तथा पी.सी.सी. कार्यालयों पर अपने वोट डाले।

इनमें खड़गे को 7,897 तथा थरूर को 1,072 वोट मिले।

खड़गे के पार्टी अध्यक्ष निर्वाचित होने पर शशि थरूर ने उन्हें सबसे पहले बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

चुनाव परिणाम की घोषणा होते ही, कांग्रेस मुख्यालय में जश्न जैसा माहौल देखने को मिला, जो एक के बाद एक हार के कारण, कई वर्षों से दिखाई नहीं दिया था।

खड़गे ने सुधारों का वादा किया है लेकिन मीडिया का मानना है कि किन्ही खास तथा मूलभूत परिवर्तनों की अपेक्षा नहीं की जा सकती।

उनके प्रतिद्वंदी ने अपना प्रचार-अभियान परिवर्तन के इर्द-गिर्द ही रखा था, लेकिन जैसी अपेक्षा थी, वे हार गये। लेकिन थरूर ने कहा है कि चुनाव का नतीजा कुछ भी रहा हो, लेकिन इस चुनाव से ''पार्टी कुल मिलाकर मजबूत हुई है।''

थरूर ने एक बयान में कहा, ''मैं आने वाली चुनौतियों का सामना करते हुये, कांग्रेस के अपने साथियों के साथ काम करने की उत्सुकतापूर्वक प्रतीक्षा कर रहा हूँ।''

आज सुबह मतगणना शुरु होने के शीघ्र बाद ही थरूर ने चुनाव-प्रक्रिया में ''अत्यधिक गंभीर अनियमितताओं'' का आरोप लगाया था।

उनकी टीम ने एक तीखा पत्र लिखकर उत्तर प्रदेश के मतदान को निरस्त किये जाने की माँग की। लेकिन, थरूर ने बाद में इस माँग को वापस ले लिया।

उन्होंने इस पत्र के लीक हो जाने पर अफसोस प्रकट करते हुये कहा, ''अब आगे बढ़ें।''

गांधी परिवार, जिसे चुनाव जीतने में पार्टी की असमर्थता का दोष दिया जाता था, इस चुनाव से दूर रहा था तथा उसका जोर इस बिन्दु पर ही रहा था कि नया कांग्रेस अध्यक्ष उस परिवार से बाहर का व्यक्ति ही होना चाहिये।

इस बात का साफ संकेत देते हुये कि अब सत्ता का केन्द्र 10, जनपथ से हट रहा है, सोनिया गांधी आज खड़गे के निवास, 10, राजाजी मार्ग, पर उनसे मिलने जाने वाली कांग्रेस की पहली हस्ती थीं।

सोनिया गांधी का खड़गे के आवास पर जाना, कांग्रेस की एक परम्परा को तोड़ने का प्रतीक है। अपने आवास से 10 मिनट की दूरी पर स्थित खड़गे के आवास तक सोनिया गांधी के जाने का उद्देश्य कांग्रेस जनों को इस बात का महत्व दर्शाता है कि अब पार्टी अध्यक्ष खड़गे हैं।

कांग्रेस नेतृत्व यदा-कदा ही किसी पार्टी नेता के घर गया है। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ही इसका अपवाद थे।

2015 में, जब दो बार प्रधानमंत्री रहे मनमोहन सिंह को कोयल घोटाला केस में सम्मन भेजा गया था, तो उस समय उनके प्रति समर्थन प्रकट करने के लिये, सोनिया गांधी कांग्रेस की एक पदयात्रा को नेतृत्व देते हुये, पार्टी कार्यालय से मनमोहन सिंह के घर गई थीं।

इससे पूर्व, राहुल गांधी ने जोर देते हुये कहा कि अब वे, हर कांग्रेस सदस्य की तरह, ''खड़गे जी'' को रिपोर्ट किया करेंगे।

राहुल ने मीडिया से कहा, ''मैं नये अध्यक्ष को रिपोर्ट किया करूँगा।''

उन्होंने नये पार्टी अध्यक्ष के बनने पर उनसे पूछें गये विभिन्न प्रश्नों के उत्तर में कहा, ''पार्टी में मेरी भूमिका का निर्णय नये अध्यक्ष करेंगे।''

खड़गे 21वीं सदी के पहले गैर-गांधी कांग्रेस अध्यक्ष हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति से लेकर अब तक, कांग्रेस को अधिकांशत: नेहरू-गांधी परिवार के किसी न किसी सदस्य का नेतृत्व मिलता रहा है और प्राय: सर्वसम्मत रूप से ही हुआ है।

थरूर ने एक बयान में कहा, ''मुझे उत्सुकता से प्रतीक्षा है कि मैं कांग्रेसी साथियों के साथ काम करते हुये, आगामी चुनौतियों का सामना करूँ। मेरा मानना है कि हमारी पार्टी का पुनरुद्धार सही अर्थों में आज शुरु हो गया है।''

संजय...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कमेटी ने सचिव स्तर के कई पदों पर नियुक्तियां कीं। नगेन्द्रनाथ सिन्हा जो अभी ग्रामीण विकास सचिव हैं, इस्पात मंत्रालय में सचिव का पद भार संभालेंगे क्योंकि मौजूदा इस्पात सचिव संजय कुमार सिंह 31 दिसम्बर को रिटायर हो रहे हैं। अतिरिक्त सचिव शैलेश कुमार सिंह को नया ग्रामीण विकास सचिव नियुक्त किया गया है।

रजनीकांत...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्टार, जो एक समय राजनीति में आने के बारे सोच रहे थे, तथा भाजपा नेतृत्व के काफी नजदीक माने जाते हैं, ने उस समय आरोप लगाया था कि 2018 के एन्टी-स्टरलाइट प्रदर्शन में समाज विरोधी तत्व प्रवेश कर गये थे। रजनीकांत के उन बयानों, जिनमें उन्होंने प्रदर्शनकारियों को उस रूप में प्रस्तुत किया था, जैसे वे थे ही नहीं, के लिए उनकी खिंचाई करते हुये, पुलिस फायरिंग की जाँच करने वाली अरूणा जगदीशन कमेटी ने कहा है कि रजनीकान्त के आरोप बेबुनियाद थे। तमिलनाडु विधानसभा में प्रस्तुत अपनी रिपोर्ट में कमेटी में कहा, ''अभिनेता ने दूरगामी परिणामों वाला बयान दिया तथा अब वे उस आधार पर सामग्री की सत्यता का अच्छी तरह सत्यापन करेंगे जिस आधार पर उन्होंने बयान दिये थे।'' उक्त अभिनेता 2018 में तूतीकोरन गये थे तथा फायरिंग में घायल हुये कुछ लोगों से मिले थे तथा बाद में आरोप लगाया था कि ''असामाजिक तत्व तथा विषाक्त कीटाणु उस प्रदर्शन में प्रवेश कर गये थे।''

रजनीकान्त अपने उस कथन के समर्थन में कोई साक्ष्य प्रस्तुत करने में असमर्थ रहे थे, जिनकी उस समय बहुत आलोचना हुई थी, जब ये आरोप लगाये गये थे। कमेटी ने कहा कि सेलिब्रिटीज की जिम्मेदारी बहुत ज्यादा होती है तथा रजनीकान्त के स्तर के लोकप्रिय अभिनेता से ऐसे बयान देने की अपेक्षा नहीं की जा सकती। जब वे कोई बयान देते हैं तथा भोली-भाली जनता उसे महत्व देती है, तो उन्हें जानकारी के स्त्रोत को लेकर सुनिश्चित होना ही चाहिए। कमेटी ने कहा, ''उन्होंने दूरगामी परिणामों वाला बयान दिया है तथा वे उस आधार की सामग्री की सत्यता की जाँच करेंगे, जिस आधार पर उन्होंने बयान दिया था।''

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908